सुकर्मों से ही प्रसन्न होते हैं भगवान : वंदना श्रीजी

इंदौर। भगवान कर्मों से ही व्यक्ति को पसंद करते हैं। पुराणों की कथा प्रतिदिन सुनना चाहिए, इससे मन संयमित होता है। साथ ही विश्वास होता है कि हमें जीवन में बुरे कर्म नहीं करना, गलत रास्ते पर नहीं जाना है। वाणी मीठी होनी चाहिए। उक्त विचार ब्रजरत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण के छठवे दिन व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान का स्मरण करके ही किसी भी कार्य की शुरआत करना चाहिए। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि भागवत कथा में कृष्ण की बाल लीलाओं का भक्तों ने आनंद लिया, 65 से अधिक कलाकारों ने इन लीलाओं का मंचन किया। वहीं भजनों पर श्रद्धालु खुद को झूमने से नहीं रोक पा रहे हैं। प्रतिदिन भक्तो को भोजन प्रसादी में अलग अलग व्यंजन बनाएं जा रहे हैं। चलित व्यवस्था के तहत भक्त व्यवस्थित लाइन में लगकर महाप्रसादी ले रहे हैं।